कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–133

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.–133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी खण्ड* ***अनिवार्य*** *हैं। तीनों खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

1. अधोलिखित श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×15=45

(क) नारीणां पुरुषाणां च निर्मर्यादो यदा ध्वनिः।
सुव्यक्तं प्रभवामीति मूले दैवेन ताडितम्॥

अथवा

यस्याः शक्रसमो भर्ता मया पुत्रवती च या
फले कस्मिन् स्पृहा तस्या यनाकार्यं करिष्यति॥

(ख) भरतो वा भवेद् राजा वयं वा ननु तत् समम्।
यदि तेस्ति धनुश्लाघा स राजा परिपाल्यताम्॥

अथवा

यत्कृते महति क्लेशे राज्ये मे न मनोरथः ।
वर्षाणि वस्तव्यं चतुर्दश वने त्वया॥

(ग) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपोतेषु या।
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवं॥
आद्य वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः॥
सेयं याति शुकन्तला पतिगृहं सर्वेरनुज्ञायताम्।

अथवा

एषापि प्रियेण विना गमयति रजनीं विषाददोर्घतराम्।
गुर्वपि विरहदुखमाशाबन्धः साहयति॥

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर (लगभग* ***500*** *शब्दों में) दीजिए।* 3×10=30

2. भास के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रतिमानाटकम् के प्रथम तथा द्वितीय अंक की कथावस्तु लिखिए।

3. भवभूति के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का वर्णन कीजिए।

4. रूपक के किन्हीं **दो** भेदों का वर्णन कीजिए।

अथवा

नायिका भेदों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *अधोलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***पाँच*** *के उत्तर न्यूनतम* ***250*** *शब्दों में लिखिए।* 5×5=25

5. समवकार नामक रूपक भेद का वर्णन कीजिए।

6. नाटककार के रूप में कालिदास का वैशिष्ट्य लिखिए।

7. सिद्ध कीजिए कि नाट्यविधा में श्रीहर्ष निपुण हैं।

8. नान्दी का वर्णन कीजिए।

9. सूत्रधार को परिभाषित कीजिए।

10. करुण रस के प्रतिष्ठापक के रूप में भवभूति की नाट्यकला का वर्णन कीजिए।